NEWS CLIPPING: 19.06.2019

DAINIK JAGRAN

प्रो. रंजना बनीं राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं विकास अध्ययन संस्थान की निदेशक

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में प्रोफेसर डॉ. रंजना अग्रवाल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद की राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं विकास अध्ययन संस्थान (सीएसआइआर-एनआइएसटीएडीएस) नई दिल्ली का निदेशक नियुक्त किया है। इस संस्थान के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपाध्यक्ष केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन हैं। डॉ. रंजना अग्रवाल की नियुक्ति छह वर्ष के लिए की गई है। यह संस्थान केंद्र सरकार के अंतर्गत वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के प्रमुख अनुसंधानों में एक है। यह प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञान, समाज और राज्य के बीच संवाद के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज के बीच निरंतर जुड़ाव की संभावनाओं की खोज करता है।

डॉ. रंजना अग्रवाल ने कुरुक्षेत्र

प्रोफेसर डॉ. रंजना अग्रवाल ● जागरण

विश्वविद्यालय से बीएससी, एमएससी तथा पीएचडी की डिग्री उत्तीर्ण करने के उपरांत कैंब्रिज विश्वविद्यालय, इंग्लैंड से एरिथ्रोमाइसिन बायोसिंथेसिस पर पोस्ट डॉक्टरल शोध किया है।

डॉ. रंजना वर्ष 1995 से बतौर सहायक प्रोफेसर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायनशास्त्र विभाग में कार्यरत हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से ही उन्होंने अपने अकादमिक करियर की शुरूआत की। इसके बाद, उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन, यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रिएस्ट जैसी कई प्रसिद्ध यूरोपीय प्रयोगशालाओं में शोध कार्य किया।

वह अमेरिका, स्पेन और आयरलैंड के वैज्ञानिकों के साथ सक्रिय सहयोग से शोध कार्य कर रही है। वर्तमान में वह कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान में प्रोफेसर और महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक है। डॉ. रंजना को हाल ही में हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा डीएनए के माध्यम से कैंसर के इलाज के नए उपाय विकसित करने के लिए 20 लाख रुपये का शोध अनुदान प्रदान किया गया है। उनके शोध योगदान को विशेष रूप से कॉमनवेल्थ फेलोशिप (2003-2004), इंडियन केमिकल सोसाइटी द्वारा डॉ. बासुदेव बनर्जी मेमोरियल अवार्ड (2014) और भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा प्रो. एसएस कटियार एंडॉमेंट अवार्ड (2015) के रूप में मान्यता मिल चुकी है।

NEWS CLIPPING: 19.06.2019

AMAR UJALA

सीएसआईआर की निदेशक बनीं केयू की प्रोफेसर रंजना अग्रवाल

कुरुक्षेत्र। केयू की रसायन शास्त्र विभाग में प्रोफेसर डॉ. रंजना अग्रवाल को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर) की राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं विकास अध्ययन संस्थान (एनआईएसटीएडीएस) का निदेशक नियुक्त किया है। इस संस्थान के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उपाध्यक्ष केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन हैं। डॉ. रंजना की नियुक्ति छह वर्षों के लिए हुई है।

मालूम हो कि डॉ. रंजना अग्रवाल ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (केयू) से बीएससी, एमएससी तथा पीएचडी की डिग्री हासिल करने के बाद इंग्लैंड के कैंब्रिज विश्वविद्यालय से एरिथ्रोमाइसिन बायोसिंथेसिस पर पोस्ट डॉक्टरल शोध किया है। वह

डीएनए के माध्यम से कैंसर के इलाज पर शोध रहा है चर्चित

वर्ष 1995 से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर तैनात हैं।

डॉ. अग्रवाल ने कैंब्रिज यूनिवर्सिटी, ट्रिनिटी कॉलेज, डबलिन, यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रिएस्ट जैसी कई प्रसिद्ध यूरोपीय प्रयोगशालाओं में शोध कार्य किया। वह अमेरिका, स्पेन और आयरलैंड के वैज्ञानिकों के साथ सक्रिय सहयोग से शोध कार्य कर रहीं हैं। हाल ही में उन्हें हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा डीएनए के माध्यम से कैंसर के इलाज के नये उपाय विकसित करने के लिए बीस लाख रुपये का शोध अनुदान प्रदान किया गया था। उनके शोध योगदान को विशेष रूप से कॉमनवेल्थ फेलोशिप (2003-2004), इंडियन केमिकल सोसाइटी द्वारा डॉ. बासुदेव बनर्जी मेमोरियल अवार्ड (2014) और भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा प्रो. एसएस कटियार एंडॉमेंट अवार्ड (2015) के रूप में मान्यता मिल चुकी है। महिला अध्ययन अनुसंधान केंद्र की निदेशक के रूप में वह सक्रिय रूप से क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, लिंग संवेदीकरण को बढ़ावा देने और विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं के बीच कौशल विकास की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 19.06.2019

DAILY POST

Dr Ranjana Aggarwal new Director of CSIR

DP **BUREAU**
Chandigarh

The Prime Minister, Narendra Modi has appointed Dr Ranjana Aggarwal, Professor, Department of Chemistry, Kurukshetra University Kurukshetra as the new Director of Council of Scientific and Industrial Research - National Institute of Science Technology and Development Studies (CSIR-NISTADS), New Delhi. NISTADS is one of the CSIR Institutes under the Central Government and the Prime Minister serves as its President.

Dr. Harsh Vardhan, Cabinet Minister for Science and Technology is the Vice-President of the premier research body.

The appointment of Dr. Ranjana Aggarwal has been made for a tenure of six years. This prestigious institute is devoted to a study of various aspects of interaction among science, society and state and exploring continuously the interface between Science, Technology and Society.

Prof. Aggarwal obtained her B.Sc., M.Sc. and PhD degrees from Kurukshetra University and then after carrying out postdoctoral research on erythromycin biosynthesis at Cambridge University, UK. She joined her Alma mater in 1995 as lecturer. Subsequently, she worked in many well known European Labs such as Cambridge University, Trinity College Dublin, and University of Trieste. She is actively collaborating with scientists of USA, Spain and Ireland. Presently she is Professor of Chemistry and Director, Women's Studies Research Centre at Kurukshetra University.

Her research interests consists of design and synthesis of azahetero-cycles, involving green reagents, of therapeutic interest as anticancer, anti-inflammatory, antimicrobial and photodynamic agents. Recently she has been granted a research grant of Rs. 20 lakh by Haryana State Council for Science and Technology to develop new leads to treat cancer by targeting DNA.

NEWS CLIPPING: 19.06.2019

THE TRIBUNE

KU profis new director of NISTADS

CHANDIGARH, JUNE 18

Prime Minister Narendra Modi has appointed Prof Ranjana Aggarwal from the Department of Chemistry, Kurukshetra University (KU), as the new director of the Council of Scientific and Industrial Research- National Institute of Science, Technology and Development Studies (CSIR-NISTADS), New Delhi.

NISTADS is one of the CSIR institutes, which come under the Union Government, with the PM being its president. Dr Harsh Vardhan, Cabinet Minister for Science and Technology, is the vice-president of the premier research body.

Prof Aggarwal, who has been appointed for six years, did her BSc, MSc and PhD from the KU and then carried out her post-doctoral research at Cambridge University (UK). She joined her alma mater in 1995 as a lecturer. Subsequently, she worked in European labs such as Cambridge University, Trinity College, Dublin and the University of Trieste.

Her research contributions have been acknowledged in the form of awards notably Commonwealth Fellowship (2003-2004), Dr Basudev Banerji Memorial Award (2014) by the Indian Chemical Society and Prof SS Katiyar Endowment Award (2015) by the Indian Science Congress. — TNS

The Tribune Wed, https

NEWS CLIPPING: 19.06.2019

NAVBHARAT TIMES

विद्यार्थियों संग उठाया धरती बचाने का बीड़ा

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में भौतिक विज्ञान की असिस्टेंट प्रफेसर और स्टूडेंट वेलफेयर की डिप्टी डीन डॉ. सोनिया बंसल तीन साल से कॉलेज स्टूडेंट्स के साथ पर्यावरण की रक्षा के लिए पौधरोपण अभियान चला रही हैं। कॉलेज के वॉलंटियर्स के साथ मिलकर उन्होंने कॉलेज परिसर के साथ ही आसपास के ग्रीन बेल्ट में हरियाली लाने का बीड़ा उठा रखा है। साथ ही वह कॉलेज में पंछी परियोजना, सेव पेपर और हर्बल पार्क जैसी पहल भी कर रही हैं।

सोनिया बताती हैं, 'हर साल बहुत सारे पौधे लगाए जाते हैं, लेकिन उनमें से कुछ ही बच पाते हैं। इस तरफ मेरा ध्यान गया, तो लगा कि सिर्फ पौधे लगाना ही काफी नहीं है। इसलिए मैंने पेड़-पौधों की देखभाल की मुहिम शुरू की। इस दौरान हम सैकड़ों पौधे लगा चुके हैं, उनकी मॉनिटरिंग भी कर रहे हैं।' वह आगे बताती हैं, 'कॉलेज के हर वॉलंटियर के जिम्मे छह पेड़ हैं, जिनमें वे रोज पानी डालते हैं। इसी तरह हम नए वॉलंटियर्स को अलग-अलग इलाकों की जिम्मेदारी उठाने की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही वह सेव पेपर को लेकर भी अभियान चला रही हैं। इसके लिए कॉलेज में होने वाले

सभी तरह के कार्यक्रमों की पूरी तैयारी और निमंत्रण तक सबकुछ पेपरलेस कर दिया गया है। पंछी परियोजना के तहत कैंपस में पानी के पॉट लगाए हैं, ताकि पंछियों को गर्मी में प्यासा न रहना पड़े। यही नहीं, वॉलंटियर्स के साथ यूनिवर्सिटी में जगदीश चंद्र बोस हर्बल पार्क बनवा रही हूं। बच्चों ने पार्क की खुदाई शुरू कर दी है। जिसमें पथरचट्टा, गिलोय, एलोवेरा, तुलसी, मेथी, अश्वगंधा, पेपरमिंट के पौधे लगाएंगे।